online

VRS8

हिन्दी (अनिवार्य)

Hindi (Compulsory)

DTVF/17–M-Hc2

Time Allowed: Three Hours

Maximum Marks : 300

नाम (Name) Sanket Agarwal

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature) Sanket Agarwal

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? हाँ ✓ नहीं

मोबाइल नं. (Mobile No.) ______

ई-मेल पता (E-mail address): ______

टेस्ट नं. तथा दिनांक (Test No. & Date) ______

82

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2017] [Roll No. UPSC (Pre) Exam-2017].

0	0	7	9	4	8	4

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

सभी प्रश्नों का उत्तर लिखना अनिवार्य है।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं।

उत्तर हिन्दी में ही लिखे जाएंगे, यदि किसी प्रश्न-विशेष में अन्यथा निर्दिष्ट न हो।

जिन प्रश्नों के संबंध में अधिकतम शब्द-संख्या निर्धारित है, वहाँ इसका अनुपालन किया जाना चाहिये। यदि किसी प्रश्न का उत्तर, निर्धारित शब्द-संख्या की तुलना में काफी लंबा या छोटा है तो अंकों की कटौती की जा सकती है।

उत्तर-पुस्तिका का कोई भी पृष्ठ अथवा पृष्ठ का भाग, जो खाली छोड़ा गया हो, उसे स्पष्ट रूप से काट दिया जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

All questions are to be attempted.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

*Answer must be written in **HINDI** unless otherwise directed in the question.*

Word limit in questions, Wherever specified, should be adhered to and if answered in much longer or shorter than the prescribed length, marks will be deducted.

Any page or portion of the page left black in the Answer Book must be clearly struck off.

Copyright : Drishti The Vision Foundation

Scanned by CamScanner

A3

(कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।)
(Please do not write anything except the question number in this space)

1. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 600 शब्दों में निबंध लिखिये: 100

(a) अवसाद का निवारण योग से

(b) नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बढ़ता भारत

(c) डिजिटल भुगतान आंदोलन से गुजरता भारत

(d) उपभोक्तावादी संस्कृति से ग्रसित भारतीय युवा

(कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।)
(Please don't write anything in this space)

(c) डिजिटल भुगतान आंदोलन से गुजरता भारत

परिवर्तन प्रकृति का नियम है। ऐसे ही एक परिवर्तन आज के भारत में आगाज़ दे रहा है, जिसे डिजिटल भुगतान आंदोलन कहा जा सकता है। डिजिटल भुगतान का अर्थ है कि अर्थव्यवस्था में पैसों के लेन देन के लिए नोटों के जगह डिजिटल माध्यमों का प्रयोग करना। इस आंदोलन से भारत को अनेक लाभ होने कि उम्मीदें हैं लेकिन इस आंदोलन को पूर्ण रूप में सफल बनाने के लिए बहुत सारी चुनौतियां का सामना भी करना पड़ेगा। अगर यह सारी कठिनाईयों से उनका निवारण करने में

भूमिका को और स्पष्ट करें।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Scanned by CamScanner

हम सफल हुए, तो यह तय है कि डिजिटल भुगतान भारत की अर्थव्यवस्था को एक नई दिशा दे सकता है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में करीब 90% लेनदेन नोटों के माध्यम से होता है, जिसके वजह से कई अनचाही कठिनाईयां उभरती हैं, जैसे - नकली नोट, भ्रष्टाचार, आतंकवाद को सहारा, आदि। लोगों में नोट के प्रति लगाव का मूल कारण है कि यह एक बहुत ही सहज व सरल माध्यम है। इसलिए आवश्यक है कि डिजिटल भुगतान को भी इतना ही सरल बनाया जाए। लेकिन यह प्रश्न आता है कि डिजिटल भुगतान को अपनाने से भारत को क्या फायदा है?

जनता तक पहुँच को और स्पष्ट करें

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356 वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation
Copyright : Drishti The Vision Foundation
Scanned by CamScanner

A3

कृपया इस स्थान पर प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

डिजिटल भुगतान के अनेक फायदे हो सकते हैं। सबसे बड़ा यह कि यह भ्रष्टाचार पर रोक लगाने में भागीदारी निभा सकता है। सरकार व आयकर विभाग डिजिटल भुगतानों पर तेज नजर रख सकेंगे और भ्रष्ट व आयकर चोरी करने वालों को पहचान कर उपयुक्त कदम उठा सकेंगे। डिजिटल भुगतान के और भी फायदे हैं जैसे कि नकली नोटों कि समस्या से निवारण, आतंकवाद तथा माओवाद पर रोक, देश कि आर्थिक गति में बढ़ोत्तरी होना, आदि. इस पर यह प्रश्न आना स्वाभाविक है कि क्या हम इस आंदोलन के लिए तैयार हैं?

भारत की विशाल जनसंख्या के संदर्भ में और चर्चा करें

इसका उत्तर देने के लिए, हमें सारी चुनौतियों पर ध्यान देना होगा, जो कि

Copyright : Drishti The Vision Foundation

Scanned by CamScanner

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

बाधा डाल रही है। इनमें से प्रमुख है वित्तीय साक्षरता का अभाव, जिसके लिए सरकार ने कई कदम उठाए हैं जैसे कि वित्तीय साक्षरता अभियान, प्रधान मंत्री दिशा, आदि। एक और बड़ी चुनौती है कि इंटरनेट व अन्य उपकरणों की व्यवस्था करना। सरकार द्वारा चलाए गए 'भारतनेट' अभियान में इस चुनौती से लड़ा जा रहा है। इनके अलावा, यह आवश्यक है कि हर एक के मन में स्वतः इच्छा उत्पन्न हो कि वह डिजिटल भुगतान आंदोलन में भागीदारी दे ताकि हमारी अर्थव्यवस्था एक नए सूर्योदय को देख सके।

डिजिटल भुगतान आंदोलन एक ऐतिहासिक क्षण के रूप में उभर सकता है और भारत

विश्व परिदृश्य में डिजिटल लेनदेन की स्थिति और स्पष्ट करें।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright Drishti The Vision Foundation
दृष्टि The Vision
Scanned by CamScanner

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

की 21वी सदी में एक नई रफ्तार दे सकता है। इसके लिए ना सिर्फ सरकार बल्कि हर एक नागरिक को इस आंदोलन का हिस्सा बनकर इसे अपनाना चाहिए जिससे कि हम एक नए भारत का निर्माण होता देख सकें।

32

Copyright – Drishti The Vision Foundation
Scanned by CamScanner

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िये और उसके आधार पर नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर स्पष्ट, सही और संक्षिप्त रूप में दीजिये: 12×5 = 60

विश्व की जनसंख्या में किशोर अवस्था (10 से 19 वर्ष) के व्यक्तियों की संख्या जनसंख्या के सबसे बड़े भाग का प्रतिनिधित्व करती है। इसमें लगभग आधी आबादी किशोरियों की होती है। किशोरावस्था एक ऐसी अवस्था है जिसमें वे शारीरिक और मानसिक परिवर्तनों से गुज़रते हैं। किशोरावस्था में युवा बाहरी जगत से प्रभावित होता है, उसके सामाजिक बोध और आकांक्षाओं में परिवर्तन होता है, इस अवस्था के एक खास वर्ष में वह विभिन्न मानसिक और शारीरिक तजुर्बे करता है। इस अवस्था को तमाम रक्षात्मक, गुणात्मक और विकासात्मक संरक्षण की आवश्यकता होती है, किन्तु आज लाखों युवा इससे वंचित हैं। यह अवस्था स्वयं का और देश का भविष्य निश्चित करती है।

देश की लगभग आधी आबादी महिलाओं की है। वे समाज में भावी पीढ़ियों को जन्म देती है, उन्हें गर्भ में पोषण प्रदान करती है, फिर भी बारीक किंतु इस्पात से भी अधिक दृढ़ बाड़ से देश की आधी आबादी को सीमा के दूसरी ओर ढकेल दिया जाता है। सामाजिक-सांस्कृतिक परिदृश्य में यह दीवार एक ऐसी विषमता का पोषण करती है, जो लड़की के संतुलित व न्यायोचित विकास पर बुरा असर डालता है। ईश्वर, जोकि जीवन को महत्त्व देता है तथा धर्म, जिसका उद्देश्य सामाजिक विकास है, किस प्रकार से इस विषमता का पोषण कर सकता है? स्वास्थ, पोषण, साक्षरता, शिक्षा हासिल करने, कौशल स्तर, व्यवसायिक दर्जे, जैसे- महत्त्वपूर्ण सामाजिक विकास संकेतकों से इस विषमता का पता चलता है। इस विषमता का एकमात्र उद्देश्य शोषण के ज़रिये सत्ता कायम करना है।

अध्ययन बताता है कि करीब 41 प्रतिशत महिलाओं की शादी 18 वर्ष की कानूनी आयु से पहले ही हो जाती है, जबकि इसकी तुलना में केवल 10 प्रतिशत युवकों की शादी 18 वर्ष की आयु से पहले होती है। कुल मिलाकर 15-19 वर्ष के आयु वर्ग में छह में से एक महिला माँ बन जाती है। कुल जच्चाओं की मृत्यु में से करीब 41 प्रतिशत मौत 15-24 वर्ष की आयु वाली महिलाओं की होती है। ये मौतें ग्रामीण क्षेत्रों में तथा अशिक्षित महिलाओं में बहुत आम बात है। सात में से चार किशोरियाँ अल्परक्तता की शिकार होती हैं, जबकि इसकी तुलना में 30 प्रतिशत किशोर अल्परक्तता के शिकार होते हैं। अल्परक्तता की शिकार किशोरी माताओं को विभिन्न समस्याओं से गुज़रना पड़ता है। ऐसी माताओं में गर्भपात, जच्चा मृत्यु, मृत शिशु पैदा होने तथा कम वज़न के बच्चे पैदा होने का उच्च जोखिम होता है। यह तो अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मारने जैसी बात हो गई।

अधिकांश किशोरियाँ अच्छी शिक्षा, स्वास्थ सुविधा, हिंसा, दुर्व्यवहार और शोषण से रक्षा, सामाजिक-राजनीतिक तथा आर्थिक क्षेत्र में सक्रिय भागीदारी आदि से बंचित रहती हैं। अशिक्षा का प्रतिशत किशोरों की अपेक्षा किशोरियों में उच्च है। स्कूली शिक्षा अधूरी छोड़ने वालों में लड़कियों की संख्या अधिक है जिसका कारण कम उम्र में शादी, स्कूलों का दूर होना, स्कूलों में स्वच्छता सुविधाएँ न होना, सामाजिक बंधन, घरेलू जिम्मेदारियाँ, पुरुष शिक्षक और खराब स्वास्थ है। घर और समाज में मर्यादा का ऐसा ताना-बाना बना हुआ है, जो किशोरियों में हर कदम पर हिचकिचाहट भर देता है, वे अपनी समस्याएँ अपने पिता, भाई, डॉक्टर तथा शिक्षकों को नहीं बता पाती हैं। इसका दुष्परिणाम यह होता है कि वे अपने मसलों के समाधान के बिना ही बड़ी होती हैं या अपनी धारणाओं के आधार पर चलने से राह भटक जाती हैं।

समाज में एक अजीब ढोंग है। यहाँ महिलाओं को शक्ति का स्वरूप, सृजनकर्त्ता, पवित्र, मर्यादा, त्याग की देवी आदि की संज्ञा दी गई है। इन्हीं आधारों पर उन्हें पुरुष विशेष संरक्षण प्रदान करता है तथा पुरुषों से उच्च स्थान देता है। क्या वास्तव में उपर्युक्त आधारों पर स्त्रियों को तथाकथित श्रेष्ठता प्रदान करना ही महिलाओं के शोषण का आधार नहीं है? इसी कारण आज देश में महिलाएँ हाशिये पर हैं, जो कि इसका प्रमाण है। वास्तव में महिलाओं को समानता की आवश्यकता है। समानता ही वह तत्त्व है जो महिलाओं का सर्वांगीण विकास कर सकता है। महिलाओं को श्रेष्ठ बनाने की अपेक्षा उन्हें समानता देना उचित है।

Copyright - Drishti The Vision Foundation
Scanned by CamScanner

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(a) किशोरों को रक्षात्मक, गुणात्मक और विकासात्मक संरक्षण की आवश्यकता क्यों है?

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Ans: किशोरों को रक्षात्मक, गुणात्मक और विकासात्मक संरक्षण की आवश्यकता इसलिए है क्योंकि इस नाजुक अवस्था में वे बहुत विभिन्न प्रकार के मानसिक और शारीरिक तजुर्बे करता है तथा वे सामाज से बहुत प्रभावित होते हैं, इसलिए यह निश्चित करना बहुत आवश्यक है कि वे सामाज कि बुराईयों को न अपनाएँ बल्कि उसकी अच्छाईयों को अपनाते हुए, अपने तथा सामाज के उत्थान में भागीदारी निभाएँ।

4½

(b) लेखक के अनुसार 'सीमा के दूसरी ओर' से क्या अभिप्राय है?

लेखक कहते हैं कि महिलाओं को बड़ी कठोरता से 'सीमा के दूसरी ओर' ढकेल दिया जाता है। इसका अभिप्राय यह है कि सामाज में महिलाओं को अलग-थलग कर दिया जाता है तथा एक ऐसी दीवार खड़ी कर दी जाती है जो कि महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण, साक्षरता तथा उनके संतुलित एवं न्यायोचित विकास पर बहुत बुरा असर डालती है।

पुरुष-स्त्री में भेद के संदर्भ में और स्पष्ट चर्चा करें।

4

Copyright Drishti The Vision Foundation

Scanned by CamScanner

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) गद्यांश में मुहावरे का प्रयोग कर लेखक क्या कहना चाहता है?

- गद्यांश में लेखक ने 'अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने' मुहावरे का प्रयोग किया है। लेखक यह कहना चाहता है कि समाज द्वारा महिलाओं का शोषण अंत में खुद समाज के लिए ही खराब है। अपने बात को स्पष्ट करते हुए लेखक कहता है कि कम उम्र में कन्या के विवाह और माँ बनने से उसके स्वास्थ पर बुरा असर पड़ता है जिससे कि उनकी अगली पीढ़ी भी कम वजन, कुपोषण तथा अन्य शारीरिक और मानसीक अभावों वाली होती है जिससे कि समाज का ही नुकसान होता है।

6

अच्छा प्रयास

(d) ग्रामीण क्षेत्रों में तथा अशिक्षित महिलाओं में जच्चाओं की मृत्यु आम बात होने का क्या कारण है?

- लेखक कहता है कि ग्रामीण क्षेत्रों तथा अशिक्षित महिलाओं में जच्चाओं की मृत्यु आम बात है। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि ऐसी अवस्था में महिलाओं को सामाजिक मर्यादा के नाम पर दबाया जाता है, तथा महिलाएं भी अपने अधिकारों के लिए आवाज़ नहीं उठा पाती हैं। इन मुख्य कारणों के अलावा अन्य कारण जैसे कि स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का अभाव, डाक्टरों का अभाव, आदि के वजह से यह स्थिति उत्पन्न हुई है।

संबंधित अन्य कारणों का भी उल्लेख करें

4

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright - Drishti The Vision Foundation

Scanned by CamScanner

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

(e) क्या लेखक महिलाओं को श्रेष्ठ नहीं मानता है?

लेखक कहता है कि समाज द्वारा प्रदान किये गए श्रेष्ठ स्थान ही महिलाओं कि बुरी स्थिति का कारण है क्योंकि श्रेष्ठता के नाम पर महिलाओं को सदा त्याग और बलिदान का जीवन जीना पड़ता है। इसलिए लेखक महिलाओं को श्रेष्ठ न मानकर उन्हें समान स्तर देने की माँग करता है। लेखक के अनुसार समानता के द्वारा ही महिलाओं का संतुलित व न्यायोचित विकास हो सकता है।

लेखक के विचारों को उदाहरण और साथ स्पष्ट करें।

4½

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

Copyright : Drishti The Vision Foundation

Scanned by CamScanner

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

3. निम्नलिखित गद्यांश का संक्षेपण (precis) एक-तिहाई शब्दों में कीजिये। शीर्षक देने की आवश्यकता नहीं है। संक्षेपण अपनी भाषा में किया जाना चाहिये: 60

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक तथा क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व का सातवाँ सबसे बड़ा देश है। भारत की संस्कृति एवं सभ्यता विश्व में सबसे प्राचीनतम और महान है। यद्यपि भारत की तमाम ऐसी विशेषताएँ हैं जो इसे विश्व में सबसे अलग एवं ऊँचा स्थान प्रदान करती हैं। इन सब विलक्षणताओं में से एक है भारत की विविधता में एकता का अनूठा संगम। विविधता में एकता का गुण भारत की धरोहर है, जिसे संरक्षित रखने के प्रयास ने विश्व का सबसे विस्तृत और लिखित संविधान का निर्माण किया। भारत के संविधान में भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथ-निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने का संकल्प लिया गया है। भारत का संविधान समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता सुनिश्चित करता है।

भारत के संविधान में देश के सभी लोगों को अबाध रूप से अपना धर्म मानने, आचरण करने, प्रचार करने तथा धार्मिक प्रबंधन करने की संवैधानिक गारंटी सुनिश्चित की गई है। अल्पसंख्यक समुदाय को विशेष सुरक्षा प्रदान की गई है। ऐसी व्यवस्था की गई है कि कोई भी किसी का शोषण न कर पाए चाहे वह कोई व्यक्ति हो या संस्था अथवा राज्य। संविधान देश के सभी धर्मों को अपनी धार्मिक आज़ादी बनाए रखने का अधिकार देता है, किन्तु देश को एक धर्म-निरपेक्ष लोकतांत्रिक राज्य के रूप में मान्यता देता है। राज्य का अपना कोई धर्म नहीं होगा, इसका मतलब है कि राज्य का कोई धर्म नहीं होगा। राज्य किसी धर्म विशेष को संरक्षण नहीं देगा, किसी धर्म विशेष के मामले में कोई हस्तक्षेप नहीं करेगा।

देश में सांप्रदायिक सौहार्द्र और सद्भाव का वातावरण न बिगड़ने पाए इसके लिये संविधान में इस बात का ध्यान रखा गया है कि धर्म के नाम पर किसी के साथ किसी भी तरह की ज्यादती, जुल्म और मनमानी न हो और न ही उसके मूल अधिकारों का हनन हो। इसके लिये संविधान में विभिन्न संस्थाओं की संरचना का प्रावधान किया गया है। सर्वोच्च न्यायालय एक ऐसी संस्था है, जो संविधान की व्याख्या करने का अधिकार रखता है। न्यायालय उन कानूनों की समीक्षा करता है, जो लोगों के मूल अधिकारों का हनन करते हों या फिर किसी विशेष वर्ग को विशेषाधिकार प्रदान करते हों। न्यायालय मूल अधिकारों को सुनिश्चित कर देश में सद्भावना और सांप्रदायिक सौहार्द्र के वातावरण को बनाए रखने की कोशिश करता है। सरकार ने सांप्रदायिक सौहार्द्र को बनाए रखने के लिये संवैधानिक, कानूनी, प्रशासनिक, आर्थिक एवं अन्य कदम उठाकर अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। सांप्रदायिक सद्भाव, भाईचारा और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिये प्रतिष्ठान की स्थापना की गई है। सांप्रदायिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के कार्यक्रमों को आयोजित करने के लिये प्रतिष्ठान शिक्षा संस्थानों, गैर-सरकारी संगठनों और राज्य सरकारों-संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता भी प्रदान करता है।

भारतीय संविधान में जाति, धर्म, लिंग, मूल वंश और जन्म स्थान के आधार पर विभेद का प्रतिषेध किया गया है। इस आधार पर किसी भी नागरिक के साथ किसी भी प्रकार का विभेद नहीं किया जा सकता। संविधान में महिलाओं, बच्चों, दलितों तथा धार्मिक अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा हेतु विशेष प्रावधान करने की भी व्यवस्था की गई है। इस प्रकार संविधान विभिन्न प्रावधानों और संस्थाओं के माध्यम से सांप्रदायिक सद्भाव, भाईचारा और राष्ट्रीय एकता को सुनिश्चित करता है। देश की शांति, सांप्रदायिक सद्भाव और सुरक्षा को प्रभावित करने वाले सभी कट्टरवादी धार्मिक संगठनों अथवा ग्रुपों की गतिविधियों पर कानून प्रवर्तनकारी एजेंसियों की सतत् निगरानी रहती है।

गरीब लोगों पर सांप्रदायिक झगड़ों और दंगों का सबसे अधिक प्रभाव पड़ता है। सांप्रदायिक हिंसा से जान-माल की भारी क्षति होती है। सरकार का दायित्व है कि वह सांप्रदायिक दंगों, अपराधिक गतिविधियों से प्रभावित क्षेत्र में यथाशीघ्र राहत कार्य शुरू किया जाना सुनिश्चित करें और अपराधियों की जल्द-से-जल्द

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright : Drishti The Vision Foundation
Scanned by CamScanner

शिनाख्त कर उन्हें दंडित करने की कार्यवाही करें। देश में भाईचारे को बनाए रखने और उसे बढ़ावा देने का उत्तरदायित्व केवल प्रशासन का ही नहीं है। संविधान में मूल कर्त्तव्यों का भी समावेश किया गया है। इन कर्त्तव्यों का निर्वहन करके लोग सौहार्द्र-सद्भाव बनाए रखने में सबसे अधिक मददगार होंगे। देश में अनेक स्वयंसेवी संगठन शांति, राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भाव बढ़ाने के क्षेत्र में कार्यरत हैं। जैसा, पहले ही उल्लेख किया जा चुका है कि धार्मिक सद्भाव हमारी धरोहर है, यह देश की समृद्ध परंपरा का आवश्यक तत्त्व रहा है। भारतीय संस्कृति और सभ्यता ने विश्व में जो ख्याति और सम्मान पाया है, वह विश्व के किसी और देश को नहीं मिला है। देश के सभी नागरिकों का कर्त्तव्य है कि वे अपने प्राचीन संस्कृति और सभ्यता की समृद्ध विरासत को संरक्षित रखें।

- भारत में विविधता में एकता का अनूठा संगम पाया जाता है, जिसे संरक्षित रखने में हमारे संविधान का महत्त्वपूर्ण स्थान रहा है।

संविधान के साथ सर्वोच्च न्यायालय और सरकार ने भी सांप्रदायिक सौहार्द्र को बनाए रखने के लिए भी अन्य कदम उठाए हैं। इस प्रकार कि व्यवस्था इसलिए की गई है ताकि सांप्रदायिक झगड़ों और दंगों से बचा जाए।

अपने शब्दों में और स्पष्ट चर्चा करो।

लेकिन हमें यह बात समझने की कि आवश्यकता है कि देश में भाईचारे और शांति बनाए रखने का उत्तरदायित्व केवल सरकार, न्यायलय या प्रशासन का नहीं है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation
Scanned by CamScanner

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

इसके लिए सभी नागरिकों को भी अपने मूल कर्त्तव्यों के प्रति जागरूक होना पड़ेगा।
भारत के द्वारा विश्व में पाए गए सम्मान को बरकरार रखने के लिए देश के सभी लोगों का कर्त्तव्य है कि वे शांति, राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भाव बढ़ाने में कार्यरत रहें।

गद्यांश की मूल-भावना को और स्पष्ट करें।

शब्द सीमा के संदर्भ में इसको थोड़ा और विस्तार दें।

11

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@...

Scanned by CamScanner

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

4. निम्नलिखित गद्यांश का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए:

शिवहर नामक घने जंगल के बीचों-बीच कर्मपुर नामक एक गाँव था। गाँव के पास ही एक विशाल तालाब था। इस गाँव के सभी लोग बहुत मेहनती थे। गाँव के सभी पुरुष मिल-जुलकर खेती करते थे। महिलाएँ शिल्प बनाया करती थीं और जंगली उत्पादों को इकट्ठा किया करती थी। गाँव के कुछ लोग, कुछ दिनों के बाद जंगल से बाहर स्थित नगर में जाकर अनाज, शिल्प और जंगली उत्पादों को बेचकर लोगों के लिये आवश्यक वस्तुएँ खरीद लाते थे। उसी गाँव में कर्मवीर नाम का एक व्यक्ति रहता था। वह बहुत आलसी था। गाँव के लोग जब भी उसे कोई काम करने की सलाह देते तो वे कहता- "ईश्वर ही सबका पालनहार है, इसलिये कोई भी काम मत करो, ईश्वर स्वयं देगा।"

एक बार उस गाँव में भीषण अकाल पड़ा। तालाब सूख गया। सभी पशु-पक्षी पानी के बिना मरने लगे। अब गाँव के लोग भी धीरे-धीरे पलायन करने लगे किन्तु कर्मवीर इतना आलसी था कि वह गाँव छोड़कर नहीं गया। एक दिन पेड़ के नीचे बैठ कर कर्मवीर विचार कर रहा था कि भगवान किसी प्रकार से उसके लिये भोजन का उपाय कर देगा। तभी एक शेर वहाँ आ पहुँचा। शेर कई दिनों से भूखा था, इसलिये कमज़ोर हो गया था। वह शिकार करने में भी असमर्थ था। शेर ने कर्मवीर से कहा- "आज मैं तुम्हें खाकर अपनी भूख मिटाऊंगा।" कर्मवीर ने कहा- "आओ तुम भी यहाँ बैठ जाओ, ईश्वर ही सबका पालनहार है, इसलिये कोई भी काम मत करो ईश्वर स्वयं देगा।" शेर ने कहा- "सच कह रहे हो ईश्वर ने मेरे भोजन का तो प्रबंध कर दिया।"

In the middle of a dense forest named Shivhar, there was a village by the name of Karmpur. There was a large pond near the village. In this village, all people ~~were~~ very hardworking. All the men in the village ~~together~~ did farming together. The women used to make handicrafts and used to collect forest produce. After some days, some people of the village used to go to the town situated outside the forest and sell grains, handicrafts and forest produce and ~~bought~~ bring back essential items for the people. In that village, lived a person named Karmavir. He was very lazy. Whenever the people of the village advised him to do some work, he would say - "God is the carer

व्याकरणिक गलतियों का ध्यान रखें

Copyright - Drishti The Vision Foundation

Scanned by CamScanner

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

of all, so no one should work, god will provide himself."

Once, there was a terrible famine in the village. The pond dried up. All the ~~birds~~ animals and birds began to die without water. Now, even the people of the village also started migrating slowly but Karmvir was so lazy that he did not leave the village and go. One day, while sitting under a tree, Karmvir was thinking that God will somehow arrange food for him. Just then, a lion arrived there. The lion was hungry since many days, hence ~~it~~ had grown ~~thin~~ weak. ~~It~~ was unable to hunt also. The lion said to Karmvir - "Today I shall satiate my hunger by eating you". Karmvir said - "Come, you too sit here, God is the care-giver of all, so no ~~work~~ need to work, god will provide himself." The lion said - "You are speaking the truth as God has provided for my food".

10

अच्छा प्रयास

Scanned by CamScanner

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

6. (a) निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ स्पष्ट करते हुए उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिये: 2×5 = 10

कृपया इस स्थान पर कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

(i) अपना सा मुँह लेकर रह जाना

अर्थ → हारने के बाद दुखी होना

वाक्य → परिक्षा में असफल होने के बाद, वह अपना सा मुँह लेकर रह गया।

1

(ii) अपनी खाल में मस्त रहना

अर्थ → बिना दुनिया कि चिंता करें, अपने में खुश रहना।

वाक्य → राम कि खुशी का कारण यह ही है कि वह अपने खाल में मस्त रहता है।

2

(iii) अब के बनिया देय उधार

(iv) अनजान सुजान, सदा कल्याण

(v) अपनी गरज बावली

Scanned by CamScanner

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) निम्नलिखित वाक्यों के शुद्ध रूप लिखियें: 2×5 = 10

(i) राम आपका दर्शन करने आया है।

- राम आपके दर्शनों के लिए आया है।

0

(ii) मुझे मेरी बहन को पीटना नहीं चाहिये।

- मुझे मेरी बहन को नहीं पीटना चाहिये।

0

(iii) पुस्तक को जहाँ से ली थी, वहीं को रख दी।

पुस्तक जहाँ से ली थी, वहीं रख दी।

2

(iv) गांधी जी ने अहिंसा के बारे में अपनी आत्मकथा में लिखा है।

गाँधी जी ने अपनी आत्मकथा में अहिंसा के बारे में लिखा है।

0

(v) मुम्बई हमले का अपराधी मृत्युदण्ड देने योग्य है।

मुम्बई हमले का अपराधी मृत्युदण्ड पाने योग्य है।

0

Scanned by CamScanner

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

2×5 = 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(c) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिये:

(i) कुसुम

(ii) यमुना

(iii) कामदेव

(iv) कान

(v) किसान

→ कृषक

1

Copyright - Drishti The Vision

Scanned by CamScanner

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) निम्नलिखित युग्मों को इस तरह से वाक्य में प्रयुक्त कीजिये कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए और उनके बीच का अंतर भी शब्दार्थ में लिखित रूप में वर्णित हो: 2×5 = 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(i) विलग - विकल

(ii) अंक - अंग

अंक (संख्या) → राम को हमेशा स्कूल में पूरे अंक मिलते हैं।

अंग (किसी चिज का भाग) → आँख हमारे शरीर का एक महत्वपूर्ण अंग है।

(iii) चिर - चीर

चीर - कमान से निकली तीर ने उसके शरीर को चीर दिया।

(iv) नीर - नारी

नीर (जल की धारा) → खेलने के बाद थक कर बालक ने नीर पर प्यास बुझाई।

नारी = (स्त्री) → हमें नारी के सम्मान के लिए आवाज़ उठानी चाहिए।

(v) आना - गाना

आना (निकट प्रस्थान करना) → ~~स्कूल~~ अध्यापक ने विद्यार्थियों को प्रतिदिन आने कि सलाह दी।

गाना (संगीत) → सीता बहुत मधुर गाना गाती है।

एक ही वाक्य में दोनों शब्दों को इस प्रकार प्रयोग करें कि उनका अर्थ भी स्पष्ट हो जाए।

1/4

मॉडल उत्तर देखें

641 प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Scanned by CamScanner